Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–2020

कक्षा–12

विषय : सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 100

(खण्ड–क)

प्र0–1 (क) 'शिक्षा का उद्देश्य' निबन्ध के लेखक हैं– 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द (ii) सम्पूर्णानन्द

(iii) मोहन राकेश (iv) रामकृष्ण दास

(ख) लल्लू लाल की रचना है: 1

(i) सुख सागर (ii) प्रेम सागर

(iii) परीक्षा गुरू (iv) रानी केतकी की कहानी

(ग) 'परदा' कहानी के लेखक हैं: 1

(i) प्रेमचन्द (ii) जयशंकर

(iii) अमरकान्त (iv) यशपाल

(घ) 'आवारा मसीहा' के रचनाकार हैं: 1

(i) विष्णु प्रभाकर (ii) रामवृक्ष बेनीपुरी

(iii) राहुल सांकृत्यायन (iv) रांगेय राघव

(ङ) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के लेखक हैं: 1

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) सरदार पूर्ण सिंह

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(iii) वासुदेव शरण अग्रवाल (iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्र0–2 (क) 'कामायनी' किस युग की रचना है– 1

(i) द्विवेदी युग (ii) छायावादी युग

(iii) भारतेन्दु युग (iv) प्रगतिवाद युग

(ख) निम्नलिखित कवियों में से कौन प्रगतिवादी युग का है– 1

(i) अग्रदास (ii) तुलसीदास

(iii) नन्ददास (iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ग) 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है: 1

(i) 1941 ई0 (ii) 1943 ई0

(iii) 1954 ई0 (iv) 1947 ई0

(घ) द्विवेदीयुग की रचना नहीं है– 1

(i) प्रियप्रवास (ii) साकेत

(iii) भारत–भारती (iv) कामायनी

(ङ)निम्नलिखित में से कौन सी कृत महाकाव्य नहीं है– 1

(i) रामचरित मानस (ii) साकेत

(iii) पद्मावत (iv) मामा

प्र0–3 दिये गये गद्यांश आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 5×2=10

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी अधिक बूढ़ी है वह उतनी ही मुसकानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की। लक्ष्यदर्शी जीवन की। सेवा–निरत जीवन की। अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की। भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के आधार पर 'मदर वार्ड' की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) किस 'जोत' को विश्व की सर्वोत्तम जोत बताया है।

(v) गद्यांश की भाषा–शैली पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अशोक का फूल उसी मस्ती में हंस रहा है। पुराने चित्र से इसे देखने वाला उदास होता है। वह अपने को पण्डित समझता है। पंडिताई भी एक बोझ है– जितनी ही भारी होती है, उतनी ही तेजी से डुबोती है। जब वह जीवन का अंग बन जाती है तो सहज हो जाती है। तो वह बोझ नहीं रहती। वह उस अवस्था में उदास भी नहीं करती। कहाँ! अशोक का कुछ भी नहीं बिगड़ा है। कितनी मस्ती में झूम रहा है? कालिदास इसका रस ले सके थे– अपने ढंग से। मैं भी ले सकता हूँ, अपने ढ़ंग से। उदास होना बेकार है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(iii) लेखक क्यों कहता है कि उदास होना बेकार है।

(iv) गद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए?

(v) गद्यांश की भाषा–शैली की विशेषताएँ लिखिए।

प्र0–4 दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 5×2=10

"दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,
पर, अवलाजन के लिए कौन–सा पथ है?
यदि मैं उकसाई गयी भरत से होऊँ,
तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ।
ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो।
पाओ यदि उसमें सार उसे सब चुन लो।
करके पहाड़ सा पाप मौर रह जाऊँ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ?"

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'करके पहाड़–सा पाप मौन रह जाऊँ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ?"
पंक्तियों में कौन–सा अलंकार है।

(iv) पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(v) भाषा की विशेषताएँ बताओ।

अथवा

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

अखिल यौवन के रंग उभार
हड्डियों के हिलते कंकाल,
कचों के चिकने, काले व्याल,
कँचुली, काँच, सिवार,
गूंजते हैं सबके दिन चार
सभी फिर हाहाकार।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) पद्यांश का भावार्थ लिखिए।

(iv) पद्यांश में प्रयुक्त अलंकार बताइये।

(v) भाषा की विशेषता बताइये।

प्र0–5 (क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए– 3+2=5

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

(i) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम

(iii) हरि शंकर परसाई ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिएः 3+2= 5

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

(i) मैथिली शरण गुप्त

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(ii) सुमित्रानन्दन पंत

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'।

प्र0–6 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइन' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये। 5

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

अथवा

'लाठी' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

प्र0–7 स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 5

(शब्द सीमा अधिकतम –80)

(i) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(v) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसका चरित्र–चित्रण कीजिए

अथवा

'आलोकवृत्त' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रोपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

खण्ड–'ख'

प्र0–8 (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संसदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2+5=7

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

महामना विद्वान वक्ता, धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत्। परमस्य सर्वोच्चगुण जनसेवैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाम्यञ्च अकरोत। प्राणिसेव अस्य स्वभाव एवासीत्।

अथवा

हंसराजः तदैव परिष–मध्य आत्मनः भागिनेपाप हंसपोतकाय दुहितरमक्षत्। मयूरो हंसपोतिकायप्राप्य लज्जितः। तस्मात! स्थानात् पलायितः हंसराजोऽपि ह्रष्टमानसः स्वगृहम् अगच्छत्।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिएः 2+5= 7

नमे रोचते भद्रं वः उलूकस्यामिवेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं कुद्धो भविष्यति।।

अथवा

परोक्षेकार्य हत्तारं प्रत्यक्षेप्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्र विषकुम्भं पयोमुजम्।।

प्र0–9 निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिएः 1+1=2

(i) तलवार की धार पर चलना

(ii) टका सा जवाब देना

(iii) दाल में काला होना

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(iv) नमक मिर्च लगाना

प्र0–10 (क) निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'तथापि' का संधि–विच्छेद है: 1

(A) तथ + पि

(B) तथा + अपि

(C) त + थापि

(D) तथ् + अपि

(ii) 'परमेश्वरः' का संधि–विच्छेद है: 1

(A) पर + ईश्वरः

(B) परम + एश्वर

(C) परम + ईश्वरः

(D) परे + मेश्वर

(iii) 'गायकः' का संधि–विच्छेद है: 1

(A) ग + आयकः

(B) गा + यकः

(C) गै + अकः

(D) गाय + कः।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' हैं–

(i) 'राजनि' में विभक्त और वचन है: 1

(A) षष्ठी विभक्ति, एकवचन

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(B) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(C) पचमी विभक्ति, बहुवचन

(D) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(ii) 'सर्वेषाम्' में विभक्ति और वचन है: 1

(A) षष्ठी विभक्ति, एकवचन

(B) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(C) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(D) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन।

प्र0–11 निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) वसन – व्यसन 1

(A) विवश और व्याकुल

(B) कवच और भोजन

(C) वस्त्र और आदत

(D) विस्तार और अवधि

(ii) अम्बुज – अम्बुद 1

(A) बादल और समुद्र

(B) जल और कमल

(C) कमल और बादल

(D) समुद्र और कमल।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: 1

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(i) अम्बर

(ii) पट

(iii) विधि

(iv) नाग

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(i) जो आँखों के सामने हो– 1

(A) नेत्र सम्मुख

(B) प्रत्यक्ष

(C) आँख के आगे

(D) प्रत्येक आँख

(ii) 'जानने की इच्छा' रखने वाला 1

(A) जानकार

(B) ज्ञानी

(C) जिज्ञासु

(D) बुद्धिमान।

(घ) निम्नलिखित में से किन्ही दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: 1+1 =2

(i) तुम तो कुर्सी पर बैठे हैं।

(ii) इस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं।

(iii) सम्मेलन में कवियित्री ने भाग लिया है।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(iv) कृपया अनुमोदन करने की कृपा करें।

प्र0–12 (क) 'वीर रस' अथवा 'हास्य रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1 =2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'दोहा' अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1+1 =2

प्र0–13 बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक प्रबन्धक को आवेदन/प्रार्थना पत्र लिखिए। 2+4 =6

अथवा

शहर में फैली संक्रामक बीमारी की तरफ जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करने के लिए आवेदन पत्र/प्रार्थना पत्र लिखिए।

प्र0–14 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए। 2+7 =9

(i) देश में बेरोजगारी की समस्या

(ii) आतंकवाद की समस्या और समाधान

(iii) वृक्षारोपण का महत्व

(iv) विद्यार्थी और राजनीति

(v) देश की समृद्धि और विकास में समाचार–पत्रों की भूमिका।

*****

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE